उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज।

पाठ्यक्रम

प्रवक्ता (PGT) – वाणिज्य
(विषय कोड–07)

खण्ड– अ

एकाउन्ट्स : वित्तीय लेखांकन – दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्त, समायोजन प्रविष्टियों के साथ अन्तिम लेखे तैयार करना, साझेदारी खाते, कम्पनी लेखे, अंशों एवं ऋणापत्रों का निर्गमन, अंशहरण एवं ऋणपत्रों का शोधन, ह्रास एवं विधियाँ।

लागत लेखांकन : लागत लेखांकन का अर्थ एवं उद्देश्य, लागत के तत्व, लागत लेखांकन की विधियां – इकाई लागत लेखांकन, निविदा मूल, ठेका लागत, प्रक्रिया लागत विधि।

कराधान – महत्वपूर्ण शब्दों की परिभाषा – कृषि आय, करदाता, गतवर्ष एवं कर निर्धारण वर्ष, निवास स्थान एवं कर दायित्व।

प्रवन्धकीय लेखाकन – अर्थ, महत्व, क्षेत्र, कार्य एवं उद्देश्य, वित्तीय एवं प्रबन्धकीय लेखांकन में अन्तर, व्यावसायिक पूर्वानुमान के सिद्धान्त, प्रबन्धकीय प्रतिवेदन, अनुपात विश्लेषण, सम विच्छेद विश्लेषण।

खण्ड–ब

व्यावसायिक संगठन एवं प्रबन्ध : व्यावसायिक संगठन की विशेषताएँ, क्षेत्र, प्रकार एवं स्वरूप, उद्योग, देशी एवं विदेशी व्यापार।

प्रबन्ध की प्रकृति एवं क्षेत्र – प्रबन्ध की प्रकृति एवं क्षेत्र, प्रबन्ध की विचार धारायें, प्रबन्ध विचार में प्रमुख विचारकों के योगदानों का विश्लेषण – एफ० डब्लू0 टेलर, हेनरी फेओल, एल्टन मायों, प्रबन्ध के कार्य – नियोजन, स्टाफिंग, अभिप्रेरणा, समन्वय एवं नियंत्रण।

खण्ड–स

अर्थशास्त्र के सिद्धान्त एवं साख्यिकीय रीतियाँ : अर्थशास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र, व्यापार एवं अर्थशास्त्र का सम्बन्ध, तटस्थता वक्र विश्लेषण, उत्पत्ति के नियम, उत्पादन प्रकार्य, जनसंख्या सिद्धान्त, औसत और सीमान्त लागत, व्यापार चक्र, राष्ट्रीय आय।

सांख्यिकीय रीतियां – सह–सम्बन्ध एवं प्रतीगमन, गुणात्मक सहसम्बन्ध, कालमाला का विश्लेषण, निर्देशांक।

आवृत्ति वितरण का विश्लेषण – बारम्बारता बंटन – सामान्य बंटन, द्विपद एवं प्याँयसन।

भारतीय सांख्यिकी – विशेष रूप से जनसंख्या के संदर्भ में कृषि एवं औद्योगिक समंक।